

ASHA ARCHIVES 2944 I

वैकव्यकेशनाविस्तारबोधमहाबलियुजा ॥ ॥ समयवक्रु यागंतव
वदवाश्वाहूतिवाहूतिवउमहजनयना ॥ ॥ सिगकृवकहृगावीले
॥ ॥ हाश्वाहूतिवकमहाबलियुजा ॥ ॥ बोधकवैकापिरुवन्नगयनर
महाभाहूमर्जवृषियभूहावा ॥ ॥ ॥ **यागलालिना** विषयविषय
निमग्नयनमंभन नमिगलना कति नाद्रिकचर्मीश्दहयिदिन

॥ देवी ॥ ॥ अहो महि महा देवी. यथिविमा गनी शसर्व सत्व संपूर्ण वि
ना ॥ ॥ यी न वरु सोम्य नूयीनी देवी शस्य जहय क न. लोक संता नवी
॥ कनकरु ड घट. वाम क न धा नी शस्य क न अरुय. लोक संता नवी ॥
॥ दिवा लं का ल. रुषि ग द हा श हा न नो य न निर्धोष धी व स च्छा ना ॥ ॥
॥ ॥ निर्मा ना वूज म ल्ध ग न क ल भ्म. य च्छ म न म य य वि य नि

[illegible]

मिवाचमनश्चर्यायाहादिकि गयनिवष्टिग कमलकुलिसपत्रिशाम
 ॥ ॥ कसुमउदकमकुठासनिकमला जिनकुलसमयाचार्ययदं
 मकाजनवलदयनसत्रकृष्णदभवनगमियल्लिशामने ॥ ॥ नमामि
 श्री ॥ सुमनगुनवाकहृदयल्लियाश्चमगुनचूनकमलयभादजनूरु
 नवाधियदभाकुरुल्लदं ॥ ॥ ॥ रथनकाययान ॥ आवन ॥ गीन ॥ न

३२

योग

॥ ॥ रथनसहस्रजन ॥ गीन ॥ ॥ रागमालवी ॥ वामाददिनेचइयिचनवि
 माज्यविनाभयिमहासूखविनिया ॥ ॥ ॥ यिनकायियासहजभमियाश्च
 यत्रविमोयेनासयीचकनिराव ॥ ॥ गयनमयनचिरुविनाभयियाश्च
 यवाकचिरुचकनयिया ॥ ॥ ॥ एकधावयिआगल्लयियाश्चआवयि
 यानिगल्लधानि ॥ ॥ यावयिनवनगुनयाययभादश्चनयिवाकव

२५७२४॥

[illegible]

५७५

[illegible]

नरुभाश्चक्रवाचकमष्टियासभाभमकूठकमदिगविना॥ ॥२२२॥
 भावसमयवायासमयसूचीभावाकावाश्चमविवाहिनीवज्रवावाहि
 रुदासहियाभावाभावा॥ ॥सावित्रायनवर्गसूचमयनेकथ्यचरुव
 यिर्गवावाश्चगगधोनीवावर्तुवदिभक्त्यामन्ममलुलरुवनीना॥ ॥
 विद्यन्तडषगहृद्धादिगवसम्भनययिसयिभनारुकावाश्चमविवाहि

नीवज्रवावाहिरुक्कविनदखमिर्जुधना॥ ॥गावकिलीलावज्रकलि
 याडनसमगुनववल्गवाल्गश्चमयाज्जनर्दहलिरालमलुलसम्भन
 वज्रवावाहि॥ ॥ ॥रुक्मवीनवयो॥थनमलुलद्वयक॥१॥नागवज्रगी
 ॥चक्रिकुलकलिकावकमल्ललरुचिगगीवज्रलनवसिलमालाशीलं
 चक्रिकवक्रिनेयारुस्मविहृचिगगागधगात्रिवन्ध्रविवाया॥ ॥युक्तवसि

हनुवदभाबूको लाया रुग्धनाथजी सम्वनवाया ॥ ॥ वज्रकवाठकहा
 थयलिया कलुक्किया उखवांग शसंगठ यागिनी कमलविहारांगलम
 हासुवमेवियभादे ॥ ॥ वज्रवावाहिआलिगल सम्वननाचयिवइवि
 हरुंग शवाइलिका निनेया कीदोनेहनुव अइरुव रुवनसुसंग ॥
 ॥ सरुजसंविहिनेया गावकि कथुया लणीहनुवचनयभादेश्यरु

आलिगल कीदकिहनुव विना भयिभूयकनूभा ॥ ॥ ॥ **थनवि**
चवया ॥ गीन ॥ विवक ॥ ॥ **थनमूडा गाय ॥ राग ललितग ॥ सादभरानय**
 कननिनकिनीलवासा नाथिगात्रवाजुएरावा श्लठमालआरुवम किमि
 उरुसयनानयासिनेनयमनिहना ॥ ॥ **दवीकदियं कुलियं किमिनि**
 किउरुवाकमनीना शदहिनआ निरुसुह वलसिविका ना विनिनयनअ

सोदभराना न४॥

गिय नूवा ॥ ॥ मिहसहस्रमउलमायावसितवगाया मृगुथधननिनवक
 याश्कनाटे स्वर्णनख द्वागानुकदात्रय कश्चिल्लुनामकुठकभकयात्रा ॥
 ॥ पञ्चगथागगदहसीवउदवीकस्यजानूदेवीकयावनिजयश्चगगमा
 ननाभनसयवजगमागगहिमिमाहिभूमिकाभूर्य ॥ ॥ रुवठेदेव रुद
 मनिविनयसूत्रगवजकस्यजानूदेवीगुनूपभादंश्चवियकविर्किचिनहि

सयमिमलिगग ॥

सजहनाथरावभूराहिर्य ॥ ॥ ॥ थनगथागगवयाशागगोधि
 ॥ सयमिमलिगमउलवर्कश्चकिगहृगयनाकवितान ॥ ॥ सयमिना
 दिगभूर्यमनेकंश्चदनूवगीनवलेमनाहं ॥ ॥ पञ्चवृक्षात्मकसर्वजहं
 यंश्यस्यकूनादिगकुविहकुदिव्य ॥ ययहियकूमहासहनामानृहृगुगी
 नवजनमनाहं ॥ ॥ सावकयानमनिहिगहिकोयंश्चाथचनिववञ्च

धनं त्वत्प्रियं वद व न वद गुणं सर्वं श्रवणं निर्वृतिं कुरु विषयं सुखं ॥ ॥ व
 द्दुर्निजन ऊदाय निमृच्छि क गन वदं शं वद विरा वन या विषय निगं मिदं सु
 क रं ग ॥ गना हूं हूं १ गना हूं हूं ग न हूं हूं ॥ ॥ ॥ धनममुलसदकि
 ॥ ॥ साग मा लव ॥ निज गु व जू व धू व ह नू व जा या शी ह न ग म न ऊ गि नी
 य यि सं ॥ ॥ आन दा दि द वा वा क्ति आन दा दि द वा श य वि ना व नि

[illegible]

कायि नर्वसा ॥

॥ थनभिषयसय ॥ रागमादि ॥ कायिलीर्वसा वा किलवीना ॥ अरु ममर्वद
व. किञ्चुवनलीना ॥ ॥ अन्यमवृत्तिल. दानकनेया ॥ रुठिलमद्विसिद्धि
भाहियभादा ॥ ॥ गंगामुना. एदियगकि ॥ पिनेनविमभि. गग
धदवाने ॥ ॥ उदिलालवडा. नविमूर्द्धा ॥ गगललषलमा. यवनहि
दाने ॥ ॥ यवनधनाले. एकवध. शवियनिगकनल. दानकसिसिद्धा ॥

विमिलायन ॥

॥ ॥ थनदभयनिगय ॥ सग्वीवि ॥ ॥ सगिकु. यरु. गाल. लास्यन
दिनमस्कार ॥ गी. न. विम्वस. न. ह. लादि. कथन ॥ गी. न. निर्माना. व. ॥ राग. ग.
भा. रु. न. वि. ॥ वि. नि. ला. य. न. व. उ. व. म. वि. ला. या. ॥ क. न. रु. य. नि. ला. म. उ. ल. हा. म. ॥
॥ हा. म. हा. म. क. न. यि. या. ॥ ह. ह. न. हि. व. उ. मा. ला. ॥ रा. ग. ह. व. भा. ह. व. दि. न. द्या. दि.
॥ ॥ य. रु. ला. य. उ. उ. पा. य. न. व. जा. ॥ न. वि. म. नि. वा. य. मि. आ. वा. र्था. व. यि. था.

॥ वागदहिनकः स्रवदियायुश्चलियवज्जाननः आहूतिदीना
 ॥ कर्तुवाचकः मर्यादवलिमश्वायुसंलान्वित्यवाधा ॥ ॥ ॥
 गीता॥ नकावधुनमहं देववर्मा ॥ आहूति॥ रागाय चम ॥ कलिन
 वज्जाननः नविमनिकृच्छिकृजवयिउंकावनादनुयाश्चदनुयागयिउ
 वनलीनाययिसयिजिनमनिविदनुया ॥ यवमानदमृन्मिनयध

निकादाधियभीमश्चवज्जश्चंआहूति॥ कादाधियधीर्महवजा ॥ ॥ क
 लिहकमलसंजागसहजयवनमर्गसालिनगानिश्चयमृवषट्कुज्जत
 मकुठमीनीकृष्णीमाननदहिनवाम ॥ ॥ ॥ न्दमउलोपविक्जययकि
 कृष्माण्डगनयकलिगाश्चज्जवज्जमनदहिनकवधनिवामयधालयत्रा
 यधानि ॥ विविगनलारवणविरुषिगहनयिज्जुनगमृन्निधवाश्च

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

कोशोऽयम्॥

॥ ॐ श्री ४ हूं ॐ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० ॥

ऊनयायि॥ ॥ वडसमकमुनिसिज्ञाकथ्यनवावनया० २मनयअः
 धनमालिगहिरनूवाऊनया०॥ ॥ यषूनवककलनसूझासूधनम
 नयायिशनिनसूझगचडावयिः नहिऊनायनया०॥ ॥ ॥ ००॥
 इविकु॥ ॥ ००॥ नमस्थीवऊवानाके॥ धनसिज्ञाद्वियकु॥ गीगपधन
 धनगुमसूझकस्वागमवि॥ धनगमऊनया॥ ऊमनिकावलिविया॥ गानल्लाय

धननदिनमस्कावका॥ गीनविश्वसू॥ गीत॥ रनागरेववि॥ रवजिनम
 कूठकिनमिमिलिखनननयगम॥ ॥ साहियवऊसल्लयनमन्धन
 यनमयदं॥ ॥ गमऊननिवदुयी॥ कूठकूठददधन॥ ॥ नावि
 उरुलनसंवाविउगुकीकूठकमलयगम॥ ॥ ॥ रनागरेववि॥
 महिमल्लमनसमडाऊनधनऊरुनडदकविम्वडा॥ ॥ यषूनम

रवजिनम॥ रवजिनम॥

नमिस्य नायन गयन शरद्वपनिहासयिजिनगुननाया ॥ कल्पध
निर्दिष्टा विषयसर्वत्रकाशमद्वगर्भगजिनप्रकृमूनका ॥ यवन
हृदयिहृदया इहस्तिनवियाश्चलयिवजाननदहृदिहृदाहृया ॥
सगकरुनिहावयिया नहायिभस्तथाश्चनमवज्जरुनयिभूविभनयवद्धा
॥ ॥ ॥ धनसिषसय ॥ गीगृह्विनि ॥ ॥ धनयह्विधिर्ह्य ॥ नदि

नमस्तु ॥ गीतः विन्धुसूत्र ॥ गीतकथनं ॥ गीतः निर्मार्तावृत्त ॥ गीतः निनि
 लोयं ॥ गीतः कलितवृत्तानन ॥ गीतः कला ॐ ॥ गीतः ॥ १ ॥ गीतः कलावलि ॥ सर्व
 वृद्धविवृद्धमष्टिगा विन्धुमाला निरुदिगा १ वृद्धयागिनिवृद्धमष्टिगा कावध
 वसिद्धिलावनि ॥ ॥ नमामि १ वृद्धलि सिद्धियागिनीगधमष्टिगा १ मृष्ट
 अद्धियागिनीगधमष्टिगा ॥ ॥ आदित्यमष्टिगा १ मृष्टसमवसदीयमालासवि

॥८॥

मि२

मनाश्चक्रिहृत्तुलकठिलोचकमवलविहृषिता॥ ॥कनगिहृषयमा
चक्रदिनिमकूटकविदिगमवाश्म३मालावर्वांगमठिगालल्लजि कार
यकवा॥ ॥उमदवीचक्रअनकासयनविस्थवियायिगाश्चुंरुचनल
मिलंगमधलियाअवध्वकठुयागावयि॥ ॥ ॥~~नागरवठयि॥~~
दंविनिमनवनविनासकयिस्यश्च०रुलाअमठुहोनाया॥ ॥५५का

देविनिश

हमलजगगनिर्वासियान॥ ॥अमियश्चनिर्वंजनदलाश्चसुहृद
नीययाजिनरुययिसे॥ ॥५५उयागिनीचलमलश्चजवानाहिआ
लिगलकीने॥ ॥उ०रुलाअकनूकवानीश्चयंश्चालिगधनीनव
लुवात्रि॥ ॥ ॥॥लमका॥सर्वगधगगाधर्म॥सर्वगाधगगावयास
वधम्यागनेनालादलमठुल्लमरुमे॥ ५ ॥~~सर्ववकधर्मयुं~~सर्ववकधर्मयुं

न सम करुड कायार्ग शेषम तुलं मरुमी ॥ ६ ॥ **सर्वधर्मागमं रू नं ह्यनवर्था**
विश्वधर्मा सम करुड वा वाग्य शेषम तुलं मरुमी ॥ ७ ॥ **सर्वसिद्धमहाविह**
गुह्यं यक मिनिर्मलं सम करुड विहार्ग शेषम तुलं सा विधि ॥ ८ ॥ **संयर्ग**
 सर्वजगत्सना नृथयदं सर्व नाना दिना ॥ यीत्वा सर्व विकल्प माह क नर्वा ज
 किनी ह नृका दिना ॥ यश्च कं य निवर्त कृति धगु म ह्यनवर्था माह क नर्वा ॥

यस्या कस्या कया नृव ह्यस्य मनसा नृत्वं यर्ग सय दिना ॥ १ ॥ **॥ १ ॥ राग कर्तु**
दि ॥ मिह्य नृवापयि यागिनि द ह क वा निश्क मल कृति म य ७ क न हृवी वा ॥
 ॥ यागिनी नृत्त विन ह्व न ह न ही वयि २ गो ना म ह र्वा वि या न क म ल स यि व
 यि ॥ ॥ कृप ह यागिनि न य न जायि २ म नि कृ ल व हि या न ३ ॥ ३ ॥ यि या न स मा
 न ॥ ॥ सा स ह घ न द्या न कं वि य ना न २ व द सूर्य इ यि य क न ह वा ॥

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥

विनिर्दिष्टः॥

॥रुनयिराजत्रिहमकून्वीयाश्नयननाजिमायाऽरुयनडवीना॥
॥ ॥रागमधमपञ्चवि॥विनिर्दिष्टविहममायात्रविमनिवदनश्दवास्
प्रगभजुवनरुडकाय॥ ॥जावेवनमामिष्टीसम्पदवीयाश्नयनागि
निरनिमानसहस्रभंगना॥ ॥वज्रवावाहिआलिङ्गकल्लश्चक्रिर्
विनावीनधुनसमनसल्लप्ति॥ ॥गमकूदहनविममसिधुल्लकूकेशक

ऊर्यानाकूलिः॥

नूतननल्लायनविषक॥ ॥दादभजुजधनवाविनडवदनश्नीपसं
हावगगतहृदवीक्ष॥ ॥ ॥रागमधमपञ्चवि॥ऊर्यावाकूलिहृन्वयन
यिश्चयनसूनासूवज्रगकडकानि॥ ॥कहगवमियादूकमनमहिम
ल्लननायननूर्नमर्णकायाश्नयनविहृषिगमवयधनडवाना
विनिर्दिष्टविनयनिविनिनयना॥ ॥कवमिहृवर्षनशीवावडननन

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ किञ्चिन्नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रागनाट॥ कडाह नये लाके व क न व न ये व दं श्म व य नि नं रु न स या
 वे शुद्धं॥ ॥ ना व यि म व व कान क मान श्म व दंग उ म न गी य न न वि
 न मा ला॥ ॥ अ र्क न स नि न न अ र्क न वि रु ना श्म न रु न ध न ग नि स या
 न वि॥ ॥ क र्क वा न रु द न क र्क वा न नी रा श्म व ध व कान ग नि स र्क
 व दं॥ ॥ न रु न रु म व स र्क ॥ शि नि रु व न ना थ न रु स म्प न मा या

॥ ॥ ॥ राग व स र्क॥ अ र्क सि क स म य नि रु द ह्य ल ल वा श वि वि धि
 व म स नि न रु द वि रु य ना॥ ॥ ना व यि न थी अ व न वी वा श न ना व ड आ न
 द वी ना रा यि म व ना॥ ॥ ना म ड रु व वि म्प म्प डा द र्क ना श्म रु म्प आ लि ग म्प
 अ द य म स र्क॥ ॥ वि ना ग र्क य नि रु व रु यं क वा श न म्प नि रु म्प व ज न रु
 नी या॥ ॥ ॥ ना व व रु न द र्क नि धि व वि प्र वि रु ना श्म वि म्प वि य ग न रु ग रा

अ र्क सि क स म य नि रु द ह्य ल ल वा श वि वि धि

लविनासयि॥ ॥ ॥ राग कामाद॥ एकलिकरुहं का ना रुवमनेति वुः
 दनीवकलसमर्हदेशविन्वा कृष्टिकृष्टिकवर्गप्रत्वमकृष्टकाद्यधिर्य॥
 ॥ नसाभिधीवधुवीनं रुवसिन्धुनर्गशविन्वनाथजिह्वनवायिकवदावि
 विधेहद्वर्ग॥ ॥ जनकजानसिन्धुजिह्वनवीनं सर्वहृदयनदधनर्ग
 वामकजानसिन्धुजिह्वनवीनं ॥ ॥ नानावलाहवनी

[illegible]

1811

[illegible]

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ २ ॥ भूतनाथ ॥
॥ ३ ॥ महाकाय ॥
॥ ४ ॥ शङ्खचक्रधर ॥
॥ ५ ॥ पादपद्म ॥
॥ ६ ॥ चन्द्राक्षर ॥
॥ ७ ॥ वन्द्य ॥
॥ ८ ॥ सार्वभौम ॥
॥ ९ ॥ भद्रकाली ॥
॥ १० ॥ कृष्णवर्ण ॥
॥ ११ ॥ लोकोत्तम ॥
॥ १२ ॥ भक्तान्नमस्कृत ॥
॥ १३ ॥ सर्वलोकपाल ॥
॥ १४ ॥ भूतनाथ ॥
॥ १५ ॥ महाकाय ॥
॥ १६ ॥ शङ्खचक्रधर ॥
॥ १७ ॥ पादपद्म ॥
॥ १८ ॥ चन्द्राक्षर ॥
॥ १९ ॥ वन्द्य ॥
॥ २० ॥ सार्वभौम ॥

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

धी॥ ॥ पूर्ववेनावननत्तसंरुयन्निमवियायिमाशुडरुनञ्जमाघसिद्धिमा
 ज्यञ्जकृत्यसमयानन्दरुनगिरिहायि॥ ॥ समाधिशीसम्बनमाग्यशीकावव
 कदवजाकायवियायिमाश्यागयागिनिमन्विद्वज्जानदवीसमयानन्दरु
 नगिरिहा॥ ॥ सिंहनादवादिनात्रदमद्वयत्तदञ्जकृत्यगिनिमन्वीदान
 पृथक्शक्तान्वधनियुक्ताञ्जवन्धवल्लयीयाकर्तुयालरुनगिरिहायि॥ ॥

॥ श्यामगच्छाहविवि॥ प्रकृतवर्णकमस्वदिहृज्जकनवर्णहृदिनहृज्जग
हृत्कमलवीलवला॥ ॥ नमामि श्योरीमसुनयनमन्धर्नश्यामकुज्ज
हृयमझाधनयलाविधा॥ ॥ ऊगकमसावलाहृत्तयभादसिधिल
ऊगकमनावाहृत्तयहृदिम॥ ॥ यंवयाउवाहृत्तयहृदिम॥
दवीश्वरपलाहृत्तयहृदिम॥ ॥ अकमुत्रवनधवनयभा

दसिद्धिभक्त्यागागाववनहृदिनवाहनमाभि॥ ॥ यममाशगिनिः
सिद्धिभक्त्यागागाववनहृदिनवाहनमाभि॥ ॥ यममाशगिनिः
॥ ॥ नाविगुरु॥ ॥ अदिमावनयिगायवधकाश्वलसहृदामकका
वलकुरु॥ ॥ धावद्वानरुवनिसर्वललिमाश्वलसहृदामकका
कमा॥ ॥ दिनकनमधुलमधगाश्वकनूताहृत्तयहृदिम॥

सुवनम् ॥ उयदीय गीहव उयवत् ॥ ॥ दिवदवत्रयां विरानत्रवृधिव
यां विरय सयक अ सांदन वं विरयानश्मववलाडदि विरय सायक वं का मलि
कूलनिधिनिति विलवदयं कि ॥ ॥ गुवचनवधमिवनसा हयमियविरावर्न
मनकमम उदकयारि संहलियूजा श्यववयनिरावधि सयकयवियविना
हवजलनिसकप्रवस कुरुङ्ग ॥ ॥ ॥ आगहवयि ॥ निमानानिवत्तु

[illegible][illegible]

१ गङ्गा मन्त्र ४॥

नि. व. उ. न. द. वी. ॥ ॥ जिन जननी दती ज कि नी उं रू पाय भन भय क
मृदा मृ ह व व विरूषि मा श्व ऊ रु क क व ऊ य ठ इ व दं ग पा गु य व म भ नी रू
न द वी ॥ ॥ ॥ **नाग भवानी** ॥ गङ्गा मन्त्र विनय निमा द व य व व न न
ह्या धिय निग ल व य श म नि म क्ता व त्वा रु व धा क रू नी कि व ध म क्ता सि मा ॥
॥ मालिया विघ्न मालिया द र्प मालिया इ श्व वि ना भ न र्श मालिया मा वा

मान संता सा म नू य म द श्व वि ना मि मा ॥ ॥ य य गु वा ना रू ग व ऊ इ व ऊ
लि छि या ल द हि न क वा श म स व ध न इ व दं ग म प र्थ व क न ठि वा म ॥ ॥ वि
वि क व क्ता क व क ठि व धा ऊ ठा रु म नि म लि का श्व म्भा द ध न व म्भा द न
॥ म रू पा य न मि लि मि लि वा ऊ र्ने ॥ ॥ व त्वा न व ध न व त्वा क लि मा म धि
क म ल्क न्नि मि रू द न श दी ना द त्वा न म स रू व द न न म म न म म न ग धा धि य मि

॥ ॥ ॥ **॥ राग गान्धारि** यत्क कयाना धाविनमो ग्री यत्क हानयक मडा
 रुतल शनव निलमाला ग्री यत्क हानयक मडा ॥
 ॥ **॥** **॥** **॥** का वसं जा कवद ना इव वल म्वा द वनी वस म द ह का धा धिययी
 मल का ना श्य क म न द प्य रु व ली ना श्य न व म् क कया ल ध या ॥ ॥ व
 क व उ मा वि नि न य ना ॥ धा व रु यं क व री य म व द ना २ ५ द य कू लि ना यि

गल क म्वा ड न म क रु म्वा क व ल म य ॥ ॥ क व टि कां या ना धा वि न म ग्री य
 ना ग व व य ना ग कू ल ल ल ला २ ना ग निल सि द्धा ना य व ना ग म् अ रु ना ग म्
 रु व ल म्वा ल ॥ ॥ **॥** **॥** **॥** नि व व मो ग्री धा वि न म ना व द सा स न सा व रु क
 वी ना श्य ना य द ना द व रु वा सा ध क कू लि म्वा अ नू रु व म व ल ॥ ॥
 ॥ **॥ राग माला** ॥ एक व द न व ल म कू ठ आ ल क ना २ व रु उ ज व रु य रु

कसवधनधावि॥ ॥ नमामिश्मस्तुथीयप्रनखन्धवाश्मयत्रआसायवि
 यत्रिमडधविना॥ ॥ दहिनशीगगयमिवाभशीमस्तका वाश्मगमम
 तुलमाज्ययकलितहिता॥ ॥ भृष्टिर्महावावेयाविन्धवियायिनाश्
 अष्टरुयवह्याधिद्वित्रिमहवन्मा॥ ॥ वज्रधनयन्मादिप्रदातरुनयियाश्
 गुन्यवधमात्रसिद्धिवन्मादा॥ ॥ ॥ रागविनाम॥ दिवुजयक

दिवुजयक॥

मूखवकवदनाश्नगममकूठकभीष्टिनिवाचना॥ ॥ नमोदवीवृद्धज
 किनीविन्धजननीश्चिउवनयापिनजिनकानदायनि॥ ॥ दहिन
 कववज्रविनाभिनिदग्धमिश्वामकवाककवुवमात्रसयिवयि॥
 ॥ मन्निमस्तुलमाज्यडादियानगमनाश्नकननोयवववसकक्यवेभिना
 ॥ ॥ शीविद्याधवीदवीस्वनवमहिनाश्नकवविद्धिसिद्धिदहिममाना

॥ ॥ ॥ **शागनाड** ॥ वक्रवर्तुदहद्विजुजका ॥ २॥ गलमकुठक ॥
 विनिशायनि ॥ ॥ नमादविविधाधवि. विदभा नययापि गा ॥ २॥ द्विसि
 दिययनि. ऊगगजननि ॥ ॥ दहिनसादिनी वामया. गुधाविश्विवि
 कपूयमाला. कवजाधवि ॥ ॥ ॥ नमस्तुलमा. प्राकालनयिनी ॥ २॥ ना
 नायत्तवर्तुदहद्विजुजका ॥ ॥ ॥ नयिवत्तवर्तुदहद्विजुजका ॥ २॥ वी

वन. लमा. व. व. ॥ ॥ ॥ **शागनाड** ॥ विदलय. प्राय. निर्मज्जा. कड
 दल. भा. मि. म. तुला. श. ऊ. का. व. वी. ऊ. र्म. जा. न. क. र्म. व. तु. म. दा. घ. मि. ॥ ॥ न. मा. मि
 वी. न. मा. ला. दा. वी. मि. तु. व. न. स. व. न. व. य. दि. गा. २॥ ॥ म. दा. रु. य. द. वि. न. द. व. ल. मि
 द्वि. सि. द्वि. व. न. य. भा. दा. ॥ ॥ ॥ व. क. व. द. न. वि. नि. न. य. नि. मि. ल. य. न. क. या. वा. ध
 वा. श. वा. म. दा. व. क. ग. क. म. ल. या. न. द. हि. न. क. व. मि. ध. वि. ॥ ॥ ॥ य. क. म. दा. वि. ल. वि

15271221811

गर्जना, गीवम, उमाला २ लक्ष्मि काम लक्ष्मीमा, नव वसन लक्ष्मी समाधि॥
॥ सन गुरु वर लक्ष्मी लक्ष्मी विद्या, गभव कि वल वजी श्वी वरु दवी वर लक्ष्मी
रुग्म मा नु सन वध॥ ॥ ॥ राग ललित॥ उल्लगम रुग्म, ललित नम
नल॥ ला २ लक्ष्मी वरु मिथि ललक वध॥ ॥ रुग्म दन कय कया युन
दवी २ दक्ष मा वरु विना मिनि दवी॥ ॥ वरु नयन विनि वरु उमाला २ लक्ष्मी

卷之八

ॐ कवटिकया वनिशाल्याम् ॥ वाद्यवर्मवस्तुयस्या गीष्ठाश्चर्वत्रम्याद
प्रथमोक्ताः ॥ ॥ वरदासवदनधीडर्गनामनीमागाश्चनयिञ्जुभाधव
ऊचविभगीत्ता ॥ ॥ ॥ रागनामकावि ॥ हूं हूं हूं दहध प्रसात्रकनश्
दंदाञ्जलिगणयोगधनुः ॥ ॥ ह्वज्जुङ्गलनाहूं श्रुतानाहूं श्रुतानागर्गहूं
हूं ॥ ॥ सवनववदिग्गवनधधनुश्चसमविलयनदहधनुः ॥ ॥ शाव

रुलीया ३

विमकुटविलसगुलगायिशनमस्तु २ वज्र उक्त गुलषयि ॥ ॥

॥ **नागाधरा** ॥ वज्रयागिनिस्तु कनायाश्चिउवननाथदस्मि
या ॥ ॥ यिवयि नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
नमस्तु नमस्तु ॥ ॥ उच्च नायि विदलकमलसंयाग २ दहिविनामनसंरुद
यि ॥ ॥ उच्चयि नयं वमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु ॥ ॥ मगगुन

शीपव २

युग्मद्वयुथे विषकश्चात्तन्वरीसंसावसमस्तु ॥ ॥ ॥ **नागाधरा**
॥ कमलविकासिगुलिगिरान्धनकमपुषियवर्तुसमदस्तु वज्रनवद
नकवययदवयप्रनययकाभिगा ॥ ॥ नमामिश्चीमस्तु मस्तु मस्तु मस्तु मस्तु
वगुननायसुवंगुनश्चमगिदहनस्तु नवययदसर्वरुस्तु ननिद्वियात्रि
ता ॥ ॥ यथमकनदयवज्रयश्चधनमस्तु आनिगलवाजिनाश्चिनीयन्

वज्रयागिनी १॥

कमपुषियविकासिग १॥

कृष्णधररुमीयहानस्कधउथयसर्वरुवधवा॥ ॥ अरुयरुज्जवाभ
 उवनधमवायसुउथवामधुगयसकाश्चत्वमकूठकभीयकालिकित्वि
 यरुमधमैत्रविववा॥ ॥ निवृद्धिवृद्धिस्तयिनेमिगरामिनासर्वरुह
 नवियमागवाश्चरुसवभगमियवमादिवरुज्जमन॥ ॥ ॥ रागा
 वलादि॥ भगभगस्तथगावाश्चिनीवृद्धयावेवास्तुविरुक्कवदस्तु
 मउलनाकाटिस्तथगावादस्तुदस्तुकोठि

॥ रागा ॥

स्तथगावाश्चिनीवृद्धयावेवास्तुविरुक्कवदस्तु॥ ॥ उडुडुकात्रमउल
 लास्तुलिनावकागिनिविदयावेश्चरुधमभवांमीका० जालिगाववास्तु
 सकवमाज्य॥ ॥ एवचकविद्रयावेदकिस्तवक्रविस्तुत्रियावेश्य
 चिमयप्रयकाभवेडरुनवभधत्रियावे॥ ॥ मयठयागरुवाठानिह
 नियस्तकठलियावेश्चकायवाकविहमउलनास्तुलिनावेगगवकददि

२०५॥१॥

याये॥ ॥ नृपस नृपस दगा चर्वसुं धिमिलिया धर्मध उहयिश्कर्तुया
नमः कुलचर्यागवयवादिनयऊनहायि॥ ॥ ॥ **॥ रागावसका ॥** मध
नियुगियवा दयनिकूनालाशकनदवगव वन्दियववत्त॥ ॥ मेदिआदि
वृद्धधीमः ॥ ॥ कूमालाशर्वं अरिवच विपन्ननख्यन्धवा॥ ॥ कंकमवृदिवा
सवविनवियमाश्न्यागमिर कवृत्तविसावा॥ ॥ विषयविषमकूट

२०५॥१॥

यात्रंगमनस्य श्विन्धवियादिम मिर्वगुनस्वर्यं ॥ ॥ म कगुनस्वर्यं विंद
आवाधशगवकि नवंगी कयवनकुलिन्ध॥ ॥ ॥ **॥ रागावसका ॥** निमा
मिश्रि नध्मा उकवदक वउवमवमिआलिगीनाशयकूहनयकूध्माउस्य
य्यां वृद्धधर्म आत्रयन्धवा॥ ॥ ॥ कनाहं ॥ ॥ उगनसंसात्र उध्मावियामनाः
हवनमाशुश्यकूडिनन्धवा॥ ॥ ॥ नमामिश्रीन्धानियुवन्धवसादिसि

दिव्यदायनी २ इति गुरुवत्सर्वपायकर्यं कवदानयनयद्रुमाक्षुदा ॥
 ॥ नमामि श्वर्गमाधुवागीश्वरयो दधुवात्रयविमलितुगा २ षा दधुवा
 वधुमर्लमर्लकाया सर्वदेवयविमलितुगा ॥ ॥ नमामि श्वर्गमाधुवात्रय
 वल्लयप्रगिनिनिववासिना २ सत्वविभादिगदश्वविनाशनयनमामि डि
 नवकुशवा ॥ ॥ ॥ रागसाहव ॥ वज्रिधात्रिवगात्रिवडात्रिवदी २ सि

[illegible]

ब्रह्ममर्षमूर्धिकाया सर्वदवयविमन्त्रिणा ॥ ॥ नमामि शिवा गी ॥ ॥ यम

उत्तरयन्त्रगिरिनिबन्धसिद्धाश्चतुर्विंशतिगदश्चविनाभनखनमामिडि

नवकुण्डया ॥ ॥ ॥ रागमात्रव ॥ वज्रिधात्रिवगात्रिवडात्रिवदवीशसि

२५६३५॥ वि०॥

घिनिशांघिनिजं वृकडवृकिनि॥ ॥ नमामि वीशागाम्य न रूपने न्वां वि
याश्रिनिने गदवी, कुडवने ययि स्या॥ ॥ यद्वडुरुत्रय न्विमदक्रि द्वादि
गदवीश्रुकिनिघियिनि, वडसिकवा रुनि॥ ॥ वडवदि गडु म्फल
नडुदवीश्रिनिने गदवी, नाचक्रिदवी॥ ॥ हविह रवक्रा, ॐ वज्रसूत्र
गमने वा ॐ उम यागिनि समन हं लावे॥ ॥ ॥ शवागनि वद॥ अः

या शशिनेन गदवी, गुरुवनययि स्या ॥ ॥ यद्वडुरुनययि स्यादक्रि ॥ ॥

गदवीशुकिनिदियिनिवडसिकवाहुनि॥ ॥वडुवदिगडुमहल

नन्दद्वीश्रिनिभगुदवीनाचकिद्वी॥ ॥ हविहवक्राः ॐ नमस्त

गमने वाहे उभयागिनि समनहं लावे ॥ ॥ ॥ श्यामनिवेद ॥ अः

षयनिर्बंजन अद्वय अनयम गगन मधुलमा मध्यापि गा २० न्या गा वि
 या निगली चिया दवी यान विदु समजा विगा ॥ ॥ नमामि नि वात्र
 म्नि वरु वला म्प व रु उरु वन सं छु दि गा २१ स न द व द सम रु उ य का धि
 म् रु व रु व द सम वापि गा ॥ ॥ ए उ ग जा ग व नि सा धि व च क व रि भ व
 म धु ल सम रु ली ना श नि म्म ल द द या ल च क ध्या पि गा अ हि नि मि रु रु ज

क म ह सा ध ना ॥ ॥ आ न द य व मा न द वि व मा स ह ऊ व रु ग न द ऊ र्म
 वा श य व मा वि व मा मा म्म न द्वा दि न म हा स ह व स ग क स मा ह या पि गा ॥
 ॥ ह व रु का ल व रु ली च क स म व न अन रु का टि सि द्धा या रं ग ना श्चो ह न
 डा ठि या न य र्गु गि नि जा रं ध व य रु स म हा स ह न जा न रु ॥ ॥ ॥ वा
 ग रु उ गी ॥ वा म ह व र्ग न ध व द हि न क न टि श या य व ल य व रु द मा ल रु पि
 न

न॥ ॥ देवीनाचयि एकजगि वरु यागिनी श्रुतिन नुदवी विरुवनप
 यिमा ॥ ॥ कावमरुदियि पावनवध २ वागधममाह कवठिन
 दि ॥ ॥ थलसु रुमा निर्नऊ नदवी श्रुत्यया नुदवी धून्य गरावा ॥
 ॥ भृषिसंसावणी कवृदा देवी शमा रुमा गनेउ म् सवयिऊ ननी ॥ ॥
 ॥ शवाग कर्तुदि ॥ विवधमना नृह दिनक वमउ ला श्रुं कावसंरुवक

विवधमना नृह ॥

र्ववर्तुदहा ॥ ॥ नमरुं श्रुती हनववाया श्रवज यागिनि आर्लिगधना
 वयि ॥ ॥ विमरुवधठउऊ गुज्ञानश्रि नया श्रिविधकलिभार्द्धऊठामक
 ठधवा ॥ ॥ यथमरुऊदय कलिभार्द्ध ० श्रिमीयउऊ नागवमा ग
 वीय ॥ ॥ हमीयउऊ उम नृह दोगकया वा श्रवउमडामलुमालावि
 रुविमा ॥ ॥ आलिकालिइयि आर्लिधवा ययिश्य धमामिचनलडेका

० विष्णुवन्दन कालिदास ॥ ० विष्णु क म न ॥

प्रवृजगीता ॥ ॥ ॥ राग राधा रवि ॥ विष्णुवन कालिगमन किञ्च
नूलायन विनयवर्हि ॥ ॥ नावयिवरु सत्वपवमन्ध्र विनयवर्हि
॥ ॥ वसिष्ठसहस्रकी वद दमस्य साहसवर्हि ॥ ॥ वद विह्वय
वविष्मिन् नूनायन सत्ववर्हि ॥ ॥ ॥ राग म सा ल ॥ विष्णु क
मलमध्वरु का वसं रु व श्व रु या मध्वरु वलमकूटा रु व ॥ ॥ नमा

मिंशी वरु मरु नाव वी वं २ द व व कालिग व रु व रु य रु व र्ण ॥ ॥ य
वदिगालिग कू दं द व र्ण २ मा रु व कालिग मी न्ध नाव व नार्थ ॥ ॥ द कि
वयीगा व र यिष्णु न व की सदि गं २ म फ का रु ना र्ण यिष्णु न ना म क ॥ ॥ य
विमयी व क्ता व र नादि ग व र्ण २ रु व रा ग ना म रा ग व यी ॥ ॥ उ रु व र्ण
व र्ण २ वी न्ध मा व र्ण २ ० या व कालिग व रु ग दि ग्ग ना म न ॥ ॥ य व

[illegible]

कलवक दक्षक वारं वक्र भ्रम उद्ध कर्ण ॥ गिनिनर्गुली मवदनं
आलिंगव समुहं धीमनसक वर शब्दाद वरु मा ल्हा लि गांगं न वा था रुक्म
मधुर्ग ॥ ॥ रुक्म दानय निने आसा घू व वा छि मा र्थ व व द यं श ऊ म ऊ मे
सह ऊ पी रु व व व व ल स दा य धा मं ॥ ॥ ॥ राग व स क ॥ जि न व व
ऊ न नी य रा भ व म वि श वि या स यि स म य स द द आ लिंग धा ॥ ॥ नि य

स सप्रयर्गुमावसंयुता शगा धालिगध आनन्दनयन ॥ वाघसंराग
 सयप्रयधिमयने शगा विवाग इयिमा मयनिषकु ॥ अङ्क कलि
 नसंजाग विमूवना शस्रनययमव ददा आलि मधा ॥ दहादि
 रुचुवने श्री यागाम्बर शयमामि रूपनन्वरी आलि मधा ॥
 ॥ रागा नाट ॥ नमामि शक्तिन धर्म धा रुचयं रुचि रुचन अनरुचय

नमामि शक्तिन धर्म धा रुचयं रुचि रुचन अनरुचय

र्म धा रुचागी ध्वयं ॥ नमामि शक्तिन य रुचि न नमामि रुचद मरुमि
 दार्गिहा म मरु मरु वयाया ॥ स्वग्न मध्यामा व रुचन श्री काया म
 कश्च वड निरुज न मरु म निधवा ॥ धर्म श्री मिग रुच नन्वरी म
 रुचने या व म गुल मा म स या स वयी ॥ वाम रुच पूरु क धन धवा ॥
 दहि न रुच रुच रुच न धवा ॥ श्री लोका ध्वय म गुल मरु मरु वयाया ॥

गङ्गाधिपति गङ्गाधीन नन्दम स्रवर्ष ॥ श्रीवक्त्राचार्य वन्द्यदरुणाचार्य
 श्रुतयिवाक् वङ्गगीत वलिता ॥ ॥ ॥ श्रीमद्भक्तनाथ
 ममसाविन विजयाश्च उदास स्वजधानी नागवासदरु ॥ ॥ नमामि
 श्रीमद्भक्तनाथ ॥ ॥ श्रीगदिभक्तगङ्गागुप्त उवनवायिता ॥ ॥ यष्टकधन
 गुरु यवमगुप्तनाथ ॥ श्रीधर्मधामुक्त ननयालमधुलनकता ॥ ॥

गङ्गातथगङ्गातीर्थं ननाथः सर्वसामुविष्णवपत्तिनिवृत्तना ॥ ॥
 ॥ रागगङ्गातीर्थं वि॥ शिदलपत्रमुष्णमधुलसलसुखरूपियाः देवी
 वज्रविनाशिनी गत्व हानयक ॥ ॥ यिवः प्रमहायस ग्वकुदहनः स
 गर्भमाकृमा गर्भसत्त्व उधायनी ॥ ॥ वज्रवावाही अत्यन्तगङ्गा ॥ ॥ शिदुव
 नदवासरनयदेवी ॥ ॥ पूजापूजगुकारिषक अनुरूपक्रियाः स

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सननविरुग्गुक्रियासमवय ॥ ॥ गुत्रयन्मादनदग्निनाभर्तेश्वर
नयिकलदरुआवाच्यवनिगा ॥ ॥ ॥ **रागरेववि** ॥ कुरुनिर्ला
ऊनय ॥ **रुनभ्यराव** वंकात्रकवविजमसाना ॥ निवात्यसिमहासरा
वमामकिमवस ॥ **द्वीवजयागिनी** ॥ ॥ नमामिदवीवात्रधीवसिवजा
हृदिषजमत्यना ॥ **श्रीलिङ्ग** षविनयसहि ॥ एकमहविनितावनी

दवी ॥ ॥ **अस्माद** भद्रजाधारी ककरंधकवात्रभुवयकृपवदिनि
कनेश्या ॥ **कृष्णवयवधरे** उजधारी धजागजावज्जनवमववदर्थमभ
वे ॥ ॥ **अयत्र** उद्धकत्रहृठकधनवज्जवधध्वजांगकमत्रक ॥ **शिशूल**
मंगलवज्जवीनगवय ॥ **गिरदनकमा** उले ॥ ॥ **इह** ॥ **इह** ॥ **इह** ॥ **इह** ॥
वहवगवर्धुममह्याकावरावय ॥ **मना** दरुवज्जनिर्सीकृवववृणपमाद

१॥ सरुजसना नरु॥

वज्रयवमाला॥ ॥ ॥ **॥ यागनाट ॥** सरुजसना नरु श्रीरुववाया २
श्रुववनाथदहिविवासा॥ ॥ ॥ उं ऊं यिमहा प्रस गुष्कारिषकेशक
मलकलिमसंयागसंरुवा॥ ॥ ॥ रुानयुधिनिर्दवी विष्णवायिमाशकि
दकिववनामहासहवदागा॥ ॥ ॥ उद्धोधषटनाडिनाययिषवमस्यान
विद्वयवनादवीयालम्बवी॥ ॥ ॥ गुनयमदजूनरुवक्रियाशदहिम

२॥ जेनरु॥

मागासंसावसमूडं॥ ॥ ॥ **॥ यागललिमा** जूनरुवगथगावकाव
संरावत्रवत्रयविरुविविगकलमंशुआ ४८ काव वजाभनमूदकंसफ
साधिनरुपनामगय॥ ॥ ॥ वदामगवसवाधिरुलदायकंसर्वजिन
वायिमसरुजकलमंशुगगमलल्लारि मंभूनाकनभारुवसंसावना
भनीविनरुत्रयं॥ ॥ ॥ वज्रयवमानमयंगचाम्मसंरुकीं श्रीवर्मा

धिगय च यिय ह्वं २ हूँ कात्रम कृप न्ध गगर्द वज्र स हूँ यि गी विषाक क
 लेर्ग ॥ ॥ चठ मलय कर्त्रं सफ नृप रावर्ग आर्क कर्ष मधुकिनी जलनृप २
 मठि मिसा धात्रं दव मावर्क हान सत्व मानीय दृदि ऊ कि नर्ग ॥ ॥
 पाशा दि आत्र मन दानृप नृप नृप सर्वं समया व कं यवे लि गी विमद कलेर्ग २
 मस्त वा ह्म दवी ह्य वाधि विरु नृपं समय सत्व हान व क एकी हर्ग ॥

॥ ॥ १ गग माठि ॥ वा रा दि वे ह्मि न गि द व र्ग मा ज्ञा दि न क य म ७
 ल म ध्म ह्मि ना २ व कृ ध म्मा दया वा यिया द वी म कृ क मि दि ग म मा ॥
 ॥ न मा मि वा ह्म लि थी व कृ या गि नी अ न ह व वा धि प द य नी ॥ ॥
 दि रु रु ए क म ह्म नि नि ना य ना ला दि क व ह्म य ह्म लि ना २ कि रु व न या
 यि नि द ह्मि न क ह्मि वि म कृ य वि क क या व धा वि ॥ ॥ व कि क ७ ल

१ गग दि वे १ ॥

कञ्चिध्विहाथयवकविहृषिनिश्चयवत्तमोयुक्कहियमस्वय
नयमिषमालाहृषिगा॥ ॥विष्णुजननेयवमगुक्कध्वनीरुवरुय
गावलीवीरुध्वनी२सरुजानयस्वयिनीदवीप्रदिसिद्धिवयपदाय
नी॥ ॥ ॥रागकुरवि॥वधुगमभाननिगवृक्षावासकिना
गामाङ्गिममद्या२गदलम्भभानभूयकवृक्षाघर्षीकमद्यागुरुकना

गा॥ ॥ॐदमैजेकलङ्कशगवक्रिवायुग्राहसदिर्गाविदिर्गवलि
दवगिले२अष्टभम्भनरुगिर्माविप्रवृत्तावयिसरुजानय॥ ॥
कंकात्रिधात्रावरिकमद्याकालाकलामैधौककागकनागम२कर्त्र
करुप्रवावरिकमद्यासप्रभिङ्गनागमवृटकवृक्षा॥ ॥अदृष्ट
साभ्यवयात्रनागमप्रवृत्तमद्यावर्तुमदिनृहा२लश्रीवनाकर्त्रजव

काद्यष्टिगमघामहायज्ञा ॥ ॥ धात्र्यमन्त्रनायकटिक्काअनरु
नागाएवमघाशकिलिकिलिलावाअरुनरुकाकलिकनागमवर्षन
मघा ॥ ॥ द्वादशरुजाद्वादशरुवनात्रेडवमवेदनाद्वादशनय
नाशरुनायिकरुयालेनास्वरुसमयकालिगानिप्रियाययिवदना
॥ ॥ ॥ रागाशस ॥ विद्वत्कर्मसूत्रम् ॥ समसयत्ररुमध्वकत्ररु

नृववीनाश्वीविनृयाकृगृह्यममृदवीमदनीयालयवायिना ॥ ॥
नमामिन्दीनेयात्मादेवीकिञ्चवनमागात्ररुयादेवीन्दीमगास्त्रीशसय
त्रसूयासूयवदिनयवल्अनगमादिसिद्धिवययमदा ॥ ॥ नन्दनव
मिवचन्दनमयवअनगकसूमयालिजाकवदनेशनिल्यर्गमवागमनि
गीर्थअनगगीर्थसूत्रकृगवदनी ॥ ॥ अरुहन्नुअरुयागिनीदेवी

अनेगसुत्रकृपाय २७ अहमहालयद्विगुनिववावनी अनेगवि
वा ॥ ॥ विष्णुवियाधिगतायां नीमौदवी अखयनिर्वजनका
मिमय २ अलिमकसवहलदायनी देवी रुमजमर्तुहपायभनना ॥
॥ ॥ **श्यागकामाद** ॥ अविजसंशवकुरुवधुदसादाविमगवक
अधनाश्वामनुकेशवप्यत्रलदांगदहिनैकवठिधना ॥ ॥ नमामि

श्रीनेमालादेवी २ मात्ररुवरुयहननी ॥ ॥ वडुविमनीयी ॥ ॥ वधव
वृष्यकवदभक्तिगुधायशयकमृदासुषिगजंगीवतत्रमित्रमधु
माला ॥ ॥ लंदवदेवी भमिमधुलमास्यसत्रनववदिमववर्ण २ द
वीयागिनी एक दानामामिप्रियप्रगुधधनी ॥ ॥ श्रीवज्रदेवीप
नाददानयमित्रमनाहर्ष २ सकगुत्रवकधामिलसंधायहनयितल

अग्निनीयवचुः॥

वज्रकलिका॥ ॥ प्रवागका मातु॥ अग्निनिवर्तुः कृत्वा विजुः
द्वयजुः एकमूर्त्तं शिनिनकं उद्धकं मंदकं मालंकादुवीर्य॥ ॥
नमामि श्रीमहाकार्यमानभक्तुः रयह नमः॥ ॥ दहि नजुः कवतिनं
अग्निमद्यवियुद्धं न श्वामजुः मद्यवर्त्तुः वज्रकपावकपुर्तुः॥
॥ उद्धकलिका सर्वावृत्ता अग्निमद्यवर्त्तुः मद्यवर्त्तुः न नमिल्लमालं

धर्मागनी॥

गीवेत्तुः व्याघ्रवर्मकरिः हविः॥ ॥ दातुः आरुः वज्रकपावकपुर्तुः
श्रीमहाकालसदायधर्मं श्वामजुः मद्यवर्त्तुः वज्रकपावकपुर्तुः
॥ सकृदुपयादयः धर्मादर्थं वज्रकपावकपुर्तुः वज्रकपावकपुर्तुः
वायोः श्रीवत्तुः वज्रकपावकपुर्तुः ॥ ॥ प्रवागका मातु॥ धर्मागनी
वज्रकलाली श्वामजुः मद्यवर्त्तुः वज्रकपावकपुर्तुः ॥ ॥ उद्धकलिका सर्वावृत्ता